

Open School candidates get final chance to pay fee dues

KULWINDER SANDHU
TRIBUNE NEWS SERVICE

DHARAMSALA, JANUARY 28

The Himachal Pradesh Board of School Education has granted a final opportunity till January 31 to the candidates of the State Open School whose examination fees could not be credited to the board's account due to technical reasons.

Board Chairman Rajesh Sharma said that the online

application process for the March 2026 examinations for Classes VIII, X and XII concluded on January 14 but the fees of several candidates were not yet reflecting in the board's account.

A review conducted by the board revealed that 228 candidates had successfully submitted their online application forms but their fee payment process remained incomplete. "In some cases,



Board Chairman Rajesh Sharma

the fee was not deposited during the application process

while in others, the amount was refunded to the candidates' bank accounts due to technical issues," Sharma said. Of the affected candidates, 17 were of Class VIII, 97 of Class X and 114 from Class XII, he added.

To safeguard the academic interests of students, the board had directed the study centres concerned of the Open School to ensure that the pending examina-

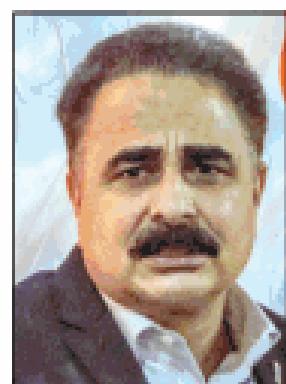
tion fee was deposited in person at the counter at the board headquarters by January 31.

The board had made it clear that the candidates, who fail to deposit the fee by the deadline, would not be issued admit cards for the March 2026 examinations. Sharma said that this was the final opportunity and no further extension would be granted to any candidate.



ਬੋਰ्ड ਪਰੀਕ्षਾਰਥੀਯਾਂ ਕੋ 31 ਜਨਵਰੀ ਤਕ ਫੀਸ ਜਮਾ ਕਰਨੇ ਕਾ ਅੰਤਿਮ ਸੌਕਾ

ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ, 28 ਜਨਵਰੀ (ਬ੍ਰੂਰੋ): ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਸਕੂਲ ਸ਼ਿਕਸ਼ਾ ਬੋਰ्ड ਨੇ ਰਾਜ્ਯ ਮੁਕਤ ਵਿਦ्यਾਲਾਇ ਕੇ ਛਾਤ੍ਰ-ਛਾਤ੍ਰਾਓਂ ਕੋ ਅਪਨਾ ਭਵਿ਷ਾ ਬਚਾਨੇ ਕਾ ਏਕ ਅੰਤਿਮ ਅਵਸਰ ਦਿਯਾ ਹੈ, ਜਿਨ ਕੀ ਪਰੀਕਸ਼ਾ ਫੀਸ ਤਕਨੀਕੀ ਕਾਰਣਾਂ ਸੇ ਅਟਕ ਗਈ ਥੀ।



ਬੋਰ्ड ਅਧਿਕਾਰੀ

ਡਾ. ਰਾਜੇਸ਼ ਸ਼ਰਮਾ ਨੇ ਬਤਾਯਾ ਕਿ ਮਾਰਚ-2026 ਸਤਰ ਕੀ 8ਵੀਂ, 10ਵੀਂ ਔਰ 12ਵੀਂ ਕੀ ਪਰੀਕਸ਼ਾਓਂ ਕੇ ਲਿਏ ਑ਨਲਾਇਨ ਆਵੇਦਨ ਪ੍ਰਕਿਯਾ 14 ਜਨਵਰੀ ਕੋ ਪੂਰੀ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ, ਲੇਕਿਨ ਕਈ ਵਿਦ्यਾਰਥੀਯਾਂ ਕੀ ਫੀਸ ਅਭੀ ਤਕ ਬੋਰ्ड ਕੇ ਖਾਤੇ ਮੌਜਮਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਬੋਰਡ ਕੀ ਸਮੀਕਸ਼ ਮੌਜ ਵਿਦਾ ਆਵਾਜ਼ ਆਇਆ ਹੈ, ਜਿਸ ਮੌਜ ਕੁਲ 228 ਪਰੀਕਸ਼ਾਰਥੀਯਾਂ ਨੇ ਑ਨਲਾਇਨ ਆਵੇਦਨ ਤੋਂ ਸਫਲਤਾਪੂਰਕ ਕਰ ਦਿਯਾ ਥਾ, ਲੇਕਿਨ ਤਨਕੀ ਨਿਧੀਹਾਰਿਤ ਪਰੀਕਸ਼ਾ ਸ਼ੁਲਕ ਕੀ

ਪ੍ਰਕਿਯਾ ਪੂਰੀ ਨਹੀਂ ਹੋ ਪਾਈ।

ਕੁਛ ਮਾਮਲਾਂ ਮੌਜ ਆਵੇਦਨ ਕੇ ਦੌਰਾਨ ਸ਼ੁਲਕ ਜਮਾ ਹੀ ਨਹੀਂ ਕਿਯਾ ਗਿਆ, ਜਿਵੇਂ ਕੁਛ ਮਾਮਲਾਂ ਮੌਜ ਭੁਗਤਾਨ ਹੋਣੇ ਕੇ ਬਾਦ ਤਕਨੀਕੀ ਕਾਰਣਾਂ ਸੇ ਪੈਸਾ ਵਾਪਸ ਅਭਿਵਿਧੀਯਾਂ ਕੇ ਬੈਂਕ ਖਾਤੋਂ ਮੌਜ ਲੌਟ ਗਿਆ। ਇਨ ਮੌਜ ਕਥਾ 8ਵੀਂ ਕੇ 17, 10ਵੀਂ ਕੇ 97 ਔਰ 12ਵੀਂ ਕੇ 114 ਛਾਤ੍ਰ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹਨ। ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਕੀ ਸ਼ੈਕਾਵਣਿਕ ਹਿਤਾਂ ਕੋ ਸੁਰਕਿਤ ਰਖਨੇ ਕੇ ਲਿਏ ਬੋਰਡ ਨੇ ਕਡਾ ਰੁਖ ਅਪਨਾਤੇ ਹੁਏ ਸੰਬੰਧਿਤ ਅਧਿਕਾਰੀ ਕੇਂਦਰਾਂ ਕੋ ਸਪ਷ਟ ਨਿਰੰਦੇਸ਼ ਜਾਰੀ ਕਿਏ ਹਨ। ਇਨ ਕੇਂਦਰਾਂ ਕੋ ਆਦੇਸ਼ ਦਿਯਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਵੇਂ ਅਪਨੇ ਛਾਤ੍ਰਾਂ ਕੀ ਲੰਬਿਤ ਪਰੀਕਸ਼ਾ ਫੀਸ 31 ਜਨਵਰੀ ਤਕ ਬੋਰਡ ਮੁਖਾਲਾਇ ਕੇ ਕਾਂਕਟਰ ਪਰ ਵਾਕਿਤਿਗਤ ਰੂਪ ਸੇ ਜਮਾ ਕਰਵਾਨਾ ਸੁਨਿਸ਼ਚਿਤ ਕਰੋ।

ਬੋਰਡ ਨੇ ਯਹ ਭੀ ਸਾਫ ਕਰ ਦਿਯਾ ਹੈ ਕਿ ਜੋ ਛਾਤ੍ਰ ਇਸ ਅੰਤਿਮ ਤਿਥੀ ਤਕ ਸ਼ੁਲਕ ਜਮਾ ਨਹੀਂ ਕਰੇਂਗੇ, ਤਨਿੰਹੇ ਪਰੀਕਸ਼ਾਓਂ ਕੇ ਲਿਏ ਏਡਮਿਟ ਕਾਰਡ ਜਾਰੀ ਨਹੀਂ ਕਿਏ ਜਾਏਂਗੇ।

शिक्षा बोर्ड की परीक्षार्थियों को बड़ी राहत

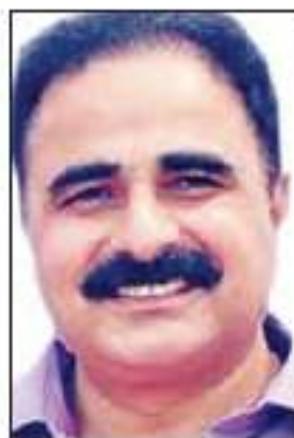
31 तक फीस जमा करने का अंतिम मौका, अन्यथा नहीं मिलेंगे रोल नंबर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राज्य मुक्त विद्यालय के उन सैकड़ों छात्र-छात्राओं को अपना भविष्य बचाने का एक अंतिम अवसर दिया है, जिनकी परीक्षा फीस तकनीकी कारणों से अटक गई थी।

स्कूल बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि मार्च-2026 सत्र की 8वीं, 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 14 जनवरी को पूरी हो चुकी है, लेकिन कई विद्यार्थियों की फीस अभी तक बोर्ड के खाते में जमा नहीं हुई है। बोर्ड की समीक्षा में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि कुल 228 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन तो सफलतापूर्वक कर दिया

था, लेकिन उनकी निर्धारित परीक्षा शुल्क की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। कुछ मामलों में आवेदन के दौरान शुल्क जमा ही नहीं किया गया, जबकि कुछ मामलों में भुगतान होने के बाद तकनीकी कारणों से पैसा वापस अध्यर्थियों के बैंक खातों में लौट गया। आंकड़ों के मुताबिक, इस श्रेणी में कक्षा 8वीं के 17, 10वीं के 97 और 12वीं के 114 छात्र शामिल हैं। छात्रों के शैक्षणिक हितों को सुरक्षित रखने के लिए बोर्ड ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित एसओएस अध्ययन केंद्रों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। इन केंद्रों को आदेश दिया गया है कि वे अपने छात्रों की



लंबित परीक्षा फीस 31 जनवरी तक बोर्ड मुख्यालय के काठंटर पर व्यक्तिगत रूप से जमा करवाना सुनिश्चित करें। बोर्ड ने साफ कर दिया कि जो छात्र इस अंतिम तिथि तक शुल्क जमा नहीं करेंगे, उन्हें परीक्षाओं के लिए एडमिट कार्ड (प्रवेश पत्र) जारी नहीं किए जाएंगे। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने स्पष्ट कहा कि प्रवेश पत्र जारी करने में किसी भी बाधा से बचने के लिए यह अंतिम समय सीमा तय की गई है। इसके बाद समय में किसी भी प्रकार का विस्तार नहीं किया जाएगा। ऐसे में छात्र और अध्ययन केंद्र समय रहते इस प्रक्रिया को पूरा कर लें, ताकि परीक्षार्थियों का साल खराब न हो।

हिमाचल शिक्षा बोर्ड की परीक्षार्थियों को बड़ी राहत



धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राज्य मुक्त विद्यालय (HPSOS) के उन सैकड़ों छात्र-छात्राओं को अपना भविष्य बचाने का एक अंतिम अवसर दिया है, जिनकी परीक्षा फीस तकनीकी कारणों से अटक गई थी। प्रदेश स्कूल बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि मार्च-2026 सत्र की 8वीं, 10वीं और 12वीं की

परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 14 जनवरी को पूरी हो चुकी है, लेकिन कई विद्यार्थियों की फीस अभी तक बोर्ड के खाते में जमा नहीं हुई है। बोर्ड की समीक्षा में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि कुल 228 परीक्षार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन तो सफलतापूर्वक कर दिया था, लेकिन उनकी निर्धारित परीक्षा शुल्क की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। कुछ मामलों में आवेदन के दौरान शुल्क जमा ही नहीं किया गया, जबकि कुछ मामलों में भुगतान होने के बाद तकनीकी कारणों से पैसा वापस अभ्यर्थियों के बैंक खातों में लौट गया। आंकड़ों के मुताबिक, इस श्रेणी में कक्षा 8वीं के 17, 10वीं के 97 और 12वीं के 114 छात्र शामिल हैं। छात्रों के शैक्षणिक हितों को सुरक्षित रखने के लिए बोर्ड ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित HPSOS अध्ययन केंद्रों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। इन केंद्रों को आदेश दिया गया है कि वे अपने छात्रों की लंबित परीक्षा फीस 31 जनवरी 2026 तक बोर्ड मुख्यालय के काउंटर पर व्यक्तिगत रूप से जमा करवाना सुनिश्चित करें। बोर्ड ने यह भी साफ कर दिया है कि जो छात्र इस अंतिम तिथि तक शुल्क जमा नहीं करेंगे, उन्हें परीक्षाओं के लिए एडमिट कार्ड (प्रवेश पत्र) जारी नहीं किए जाएंगे। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने स्पष्ट कहा है कि प्रवेश पत्र जारी करने में किसी भी बाधा से बचने के लिए यह अंतिम समय सीमा तय की गई है। इसके बाद समय में किसी भी प्रकार का विस्तार नहीं किया जाएगा। ऐसे में छात्र और अध्ययन केंद्र समय रहते इस प्रक्रिया को पूरा कर लें, ताकि परीक्षार्थियों का साल खराब न हो।